ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या–९७
दिनांक– मंगलवार, २४ दिसम्बर, २०२४

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेधशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 25.9 एवं 7.1 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 99 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 52 प्रतिशत, हवा की औसत गति 3.4 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पन 1.7 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 6.8 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से0मी0 की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 13.1 एवं दोपहर में 25.1 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मौसम शुष्क रहा तथा सुबह में हल्का कुहासा देखा गया।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(25–29 दिसम्बर, 2024)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 25–29 दिसम्बर, 2024 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- पूर्वानुमान की अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में आसमान में हल्के बादल रह सकते हैं। इस दौरान मौसम के शुष्क रहने का अनुमान है।
- बेगूसराय, वैशाली, समस्तीपुरए, मुजफ्फरपु, गोपालगंज, दरभंगा, सीतामढ़ी, शिवहर एव मधुबनी जिलो में न्यूनतम तापमान 5–8 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है, अन्य जिलो में इसके 8–10 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। अधिकतम तापमान अगले 5 दिनो तक समान्य से 3–4 डिग्री सेल्सियस अधिक रह सकता है, जिसके चलते यह तापमान में 27 डिग्री सेल्सियस तक पहुँच सकता है।
- पूर्वानुमानित अवधि में औसतन 3–4 कि0मी0 प्रति घंटा की रफ्तार से पछिया हवा चलने की संभावना है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 85 से 95 प्रतिशत तथा दोपहर में 35 से 40 प्रतिशत रहने की संभावना है।

• समसामयिक सुझाव

- पहली सिंचाई के बाद गेहूँ की फसल में कई प्रकार के खर–पतवार उग आते है। यह गेहूँ की बुआई के 30 से 35 दिनों के बाद की अवस्था है। इन खरपतवारों का विकास काफी तेजी से होता है और ये गेहूँ की बढ़वार को प्रभावित करती है। जिससे उपज प्रभावित होता है। इन सभी प्रकार के खरपतवारों के नियंत्रन हेतु सल्फोसल्फयुरॉन 33 ग्रम प्रति हेक्टर एवं मेटसल्फयुरॉन 20 ग्रम प्रति हेक्टर दवा 500 लीटर पानी में मिलाकर खड़ी फसल में पर छिड़काव करें।
- गेहूँ की फसल में यदि दीमक का प्रकोप दिखाई दें तो बचाव हेतु क्लोरपायरीफॉस 20 ई0 सी0 2 लीटर प्रति एकड़ 20–25 किलोग्रम बालू में मिलाकर खेत में शाम को छिड़क दें एवं सिंचाई करें।
- चना की फसल में चना की सुंडी की निगरानी करें। इस कीट से फसल को काफी हानी होती है। शुरु में यह सुंडी चने की पत्तियों एवं कोमल टहनीयों को नुकसान पहुँचाती है। फलिया आ जाने पर सुंडी फलों में छेद कर घुस जाती है तथा अन्दर ही अन्दर दाने को खाती रहती है। फलियाँ खोखला हो जाने पर दुसरे स्वस्थ फलियों को खाती है। खेत में इसे चने के फलियों में आधी अन्दर तथा आधी बाहर की ओर लटका देखा जा सकता है। अत्यधिक प्रक्रोप की स्थिती में प्रोफेनोफॉस 50 ई0सी0 दवा का 1.5 लीटर प्रति हेक्टेयर की दर से 600 से 800 लीटर पानी में मिलाकर फसल पर छिड़काव करें।
- अगात मक्का की फसल जो 50 से 55 दिनों की हो गयी हो, उसमें सिचाई कर 50 किलो नेत्रजन प्रति हेक्टेयर की दर से उपरिवेषन कर मिट्टी चढ़ा दे।
- प्याज का पौध जो कि 50–55 दिनों का हो गया हो, तैयार क्यारी में पाँक्ति से पाँक्ति की दूरी 15 से0मी0, पौध से पौध की दूरी 10 से0मी0 पर रोपाई करें। पौध की रोपाई अधिक गहराई में नहीं करें।
- आलू की फसल में निकौनी कर मिट्टी चढ़ाने का कार्य करें एवं आवश्यकतानुसार 10–15 दिनों के अन्तराल में सिंचाई करें।
- सब्जियों में निकाई–गुड़ाई एवं आवश्यकतानुसार सिंचाई करें। कीट–व्याधी की निगरानी करें। मटर की फसल में अच्छे फलन के लिए 2 प्रतिशत यूरिया के घोल का छिड़काव करें।
- टमाटर की फसल में फल छेदक कीट की निगरानी करे। इस कीट के पिल्लू टमाटर को बहुत अधिक नुकसान पहुचाते है। ये कच्चे तथा पके टमाटरो में छेद करके उनके अन्दर घुस कर गुदा खाते है। कीट के मल–मूत्र के कारण फल में सड़न प्रारंभ हो जाती है जिससे उत्पादन में काफी कमी आती है। इस कीट से बचाव हेतु 8–10 फेरोमौन ट्रैप प्रति हेक्टेयर खेत में लगाये। ब्यूभेरिया बेसियाना जैविक कीटनाषी का 1 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव करे। यदि कीट की संख्या अधिक हो तो स्पिनोसेड 48 ई0सी0/1 मि0ली0 प्रति 4 ली0 पानी या इन्डोक्साकार्ब 14.5 एस0सी0 1 मी0ली0 प्रति 2.5 लीटर पानी की दर से घोल बनाकर फसल पर छिड़काव करे।
- पशुओं को रात में खुले स्थान पर नहीं रखें। बिछावन के लिए सुखी घास या राख का उपयोग करें।

आज का अधिकतम तापमानः 24.8 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 2.5 डिग्री सेल्सियस ज्यादा	आज का न्यूनतम तापमानः 6.8 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 2.8 डिग्री सेल्सियस कम

(डॉ0 गुलाब सिंह)
तकनीकी पदाधिकारी

(डॉ0 ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी